



Test Date : 06 Sep 2022

Test Slot : Slot 2

Subject : PGQP09-Shiksha Shastri B.Ed.

Sl. No.1

QBID:1054381

यदि जुलाईमासस्य तृतीयदिनाङ्के शुक्रवासरो भवति तर्हि स्वातन्त्र्यदिवसः कस्मिन् दिवसे सम्मान्यते ?

- (1) शनिवासरे
- (2) बुधवासरे
- (3) शुक्रवासरे
- (4) रविवासरे

1[Option ID=16001]

2[Option ID=16002]

3[Option ID=16003]

4[Option ID=16004]

Sl. No.2

QBID:1054382

4, 8, 9, 27, 16, 64, 25?

- (1) 81
- (2) 125
- (3) 100
- (4) 36

1[Option ID=16049]

2[Option ID=16050]

3[Option ID=16051]

4[Option ID=16052]

Sl. No.3

QBID:1054383

यदि दर्पणे 7.15 (सपाद सप्तवादनम्) समयोऽस्ति तर्हि वास्तविकः समयः

- (1) 7.00
- (2) 4.45
- (3) 4.15
- (4) 7.30

1[Option ID=16093]

2[Option ID=16094]

3[Option ID=16095]

4[Option ID=16096]

Sl. No.4

QBID:1054384

सूचना - अक्षरशृङ्खला काचित् दृश्यते । शृङ्खलायाः अधः चत्वारो विकल्पाः सन्ति । एकेन समुचितविकल्पेन क्रमं पूरयत -

AC, DF, GI, JL.....

- (1) BD
- (2) MO
- (3) MN
- (4) DO

1[Option ID=16137]

2[Option ID=16138]

3[Option ID=16139]
4[Option ID=16140]

Sl. No.5
QBID:1054385

श्री अरविन्दभारतीयसंस्कृतिप्रतिष्ठानम् (SAFIC) कुत्र विलसति ?

- (1) चण्डीगढ़नगरे
- (2) अहमदाबादनगरे
- (3) पुदुच्चेरीनगरे
- (4) वाराणसीनगरे

1[Option ID=16181]
2[Option ID=16182]
3[Option ID=16183]
4[Option ID=16184]

Sl. No.6
QBID:1054386

विश्वभारतीपुरस्कारम् 2,51,000/- धनराशिना संस्थानमेतत् प्रतिवर्षं संस्कृतसम्बर्धनदृष्ट्या प्रददाति । किं तत् ?

- (1) केन्द्रीय - संस्कृत - विश्वविद्यालयः
- (2) विश्वहिन्दूप्रतिष्ठानम्
- (3) उत्तराञ्चल-संस्कृत - अकादमी
- (4) उत्तरप्रदेशसंस्कृतसंस्थानम्

1[Option ID=16225]
2[Option ID=16226]
3[Option ID=16227]
4[Option ID=16228]

Sl. No.7
QBID:1054387

'राष्ट्रीयमानवाधिकार आयोग' इत्यस्य आङ्ग्लभाषायाम् पदं वर्तते -

- (1) HRC
- (2) NHRC
- (3) HECI
- (4) HEGC

1[Option ID=16269]
2[Option ID=16270]
3[Option ID=16271]
4[Option ID=16272]

Sl. No.8
QBID:1054388

राज्यानां साक्षरतासर्वेक्षणं तत्प्रतिशतनिर्धारणं च क्रियते -

- (1) NSO
- (2) UNESCO
- (3) WHO
- (4) NAAC

1[Option ID=16313]
2[Option ID=16314]
3[Option ID=16315]
4[Option ID=16316]

Sl. No.9
QBID:1054389

भारतस्य नूतनकेन्द्रशासितप्रदेशेषु अन्तर्भवति -

- (1) चण्डीगढ़
- (2)

पुदुच्चेरी

(3) लक्षद्वीपः

(4) लद्दाख्

1[Option ID=16357]

2[Option ID=16358]

3[Option ID=16359]

4[Option ID=16360]

Sl. No.10

QBID:10543810

राज्ञः विक्रमस्य नव सभारत्नेषु अन्यतमः ।

(1) खर्वः

(2) पद्मः

(3) कुन्दः

(4) शङ्कुः

1[Option ID=16005]

2[Option ID=16006]

3[Option ID=16007]

4[Option ID=16008]

Sl. No.11

QBID:10543811

'गदनिश्चयः' इति काचित् पद्धतिः कस्मिन् वेदे ?

(1) सामवेदे

(2) आयुर्वेदे

(3) अथर्ववेदे

(4) ऋग्वेदे

1[Option ID=16013]

2[Option ID=16014]

3[Option ID=16015]

4[Option ID=16016]

Sl. No.12

QBID:10543812

सङ्गीतदर्पणः इति कस्य ग्रन्थोस्ति ?

(1) त्यागराजस्य

(2) अहोबलस्य

(3) रामामात्यस्य

(4) पण्डितदामोदरस्य

1[Option ID=16017]

2[Option ID=16018]

3[Option ID=16019]

4[Option ID=16020]

Sl. No.13

QBID:10543813

घटिका एवम् अवलोक्यते यत् अस्याः 12 अङ्कः पूर्वदिशि भवति, तदा 9 अङ्कः कस्यां दिशि भविष्यति -

(1) दक्षिणदिशि

(2) पश्चिमदिशि

(3) उत्तरदिशि

(4) उत्तरपूर्वदिशि

1[Option ID=16021]

2[Option ID=16022]

3[Option ID=16023]

4[Option ID=16024]

Sl. No.14

QBID:10543814

शृंखलायाम् अग्रिमक्रमं सूचयत।

1, 5, 11, 19, 29 ?

- (1) 41
- (2) 37
- (3) 54
- (4) 53

1[Option ID=16025]

2[Option ID=16026]

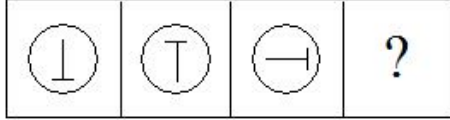
3[Option ID=16027]

4[Option ID=16028]

Sl. No.15

QBID:10543815

अस्मिन् प्रश्ने आकृतीनां समूहद्वयम् अस्ति । प्रथमसमूहे प्रश्नाकृतयः, अपरे च उत्तराकृतयः सन्ति । प्रश्नाकृतीनाम् अनुसारेण उत्तराकृतिषु उचितः विकल्पः विद्यते -



- (1)
- (2)
- (3)
- (4)

1[Option ID=16029]

2[Option ID=16030]

3[Option ID=16031]

4[Option ID=16032]

Sl. No.16

QBID:10543816

A, B च भ्रातरौ स्तः । C, A इत्यस्य भगिनी अस्ति । D, A इत्यस्य भ्राता, एवञ्च E, B इत्यस्य पुत्री अस्ति । अत्र E इत्यस्य पितुः भगिनी का अस्ति ?

- (1) D
- (2) C
- (3) B
- (4) A

1[Option ID=16033]

2[Option ID=16034]

3[Option ID=16035]

4[Option ID=16036]

Sl. No.17

QBID:10543817

सांख्यमतस्य प्रणेता कः ?

- (1) पतञ्जलिः
- (2) कपिलः
- (3) कणादः
- (4) गौतमः

1[Option ID=16037]
2[Option ID=16038]
3[Option ID=16039]
4[Option ID=16040]

Sl. No.18
QBID:10543818

कालिदासस्य अस्मिन् ग्रन्थे अमरकण्टकस्य वर्णनं प्राप्यते-

- (1) कुमारसम्भवे
- (2) अभिज्ञानशाकुन्तले
- (3) मेघदूते
- (4) ऋतुसंहारे

1[Option ID=16041]
2[Option ID=16042]
3[Option ID=16043]
4[Option ID=16044]

Sl. No.19
QBID:10543819

बालरामायणस्य लेखकः

- (1) राजशेखरः
- (2) सोमदेवः
- (3) भोजराजः
- (4) कुमारदासः

1[Option ID=16045]
2[Option ID=16046]
3[Option ID=16047]
4[Option ID=16048]

Sl. No.20
QBID:10543820

भारतीयस्वतन्त्रतासङ्ग्रामस्य एतासां घटनानाम् उचितः कालक्रमो वर्तते -

- A. सविनय-अवज्ञा आन्दोलनम्
- B. होमरूल आन्दोलनम्
- C. भारत छोड़ो आन्दोलनम्
- D. असहयोग - आन्दोलनम्

अग्रिमेषु विकल्पेषु समीचीनमस्ति -

- (1) A, B, D, C
- (2) B, D, A, C
- (3) A, B, C, D
- (4) A, C, B, D

1[Option ID=16053]
2[Option ID=16054]
3[Option ID=16055]
4[Option ID=16056]

Sl. No.21
QBID:10543821

अन्ताराष्ट्रीय - मानवाधिकार - दिवसः आयोज्यते -

- (1) 9 दिसम्बर
- (2) 10 दिसम्बर
- (3) 11 दिसम्बर
- (4) 12 दिसम्बर

1[Option ID=16057]
 2[Option ID=16058]
 3[Option ID=16059]
 4[Option ID=16060]

Sl. No.22

QBID:10543822

प्रथम संस्कृत विश्वपुस्तक-मेलायाः आयोजनम् अभवत् -

- (1) 2010 मध्ये
- (2) 2011 मध्ये
- (3) 2012 मध्ये
- (4) 2013 मध्ये

1[Option ID=16061]
 2[Option ID=16062]
 3[Option ID=16063]
 4[Option ID=16064]

Sl. No.23

QBID:10543823

प्रथमसूच्या सह द्वितीयसूच्याः मेलनं कुरुत

सूची I		सूची II	
A.	पण्डित दुर्गालालः	I.	वाद्यसङ्गीतम्
B.	लालगुडी जयरामन्	II.	नृत्यम्
C.	बालमुरलीकृष्णः	III.	चित्रकला
D.	अमृता शेरगिलः	IV.	कण्ठसङ्गीतम्

अधोलिखितेषु विकल्पेषु समीचीनः विकल्पो वर्तते -

- (1) A-II, B-IV, C-I, D-III
- (2) A-III, B-IV, C-I, D-II
- (3) A-IV, B-I, C-II, D-III
- (4) A-II, B-I, C-IV, D-III

1[Option ID=16065]
 2[Option ID=16066]
 3[Option ID=16067]
 4[Option ID=16068]

Sl. No.24

QBID:10543824

विश्व एथेलेटिक्स 2022 मध्ये जेवलिन् क्षेपण क्रीडायां कः भारतीयः रजत पदकं लब्धवान् ?

- (1) आदित्यदासः
- (2) नीरज चोपडा
- (3) सूरज चावणा
- (4) नीरज दास

1[Option ID=16069]
 2[Option ID=16070]
 3[Option ID=16071]
 4[Option ID=16072]

Sl. No.25

QBID:10543825

मिताली राजस्य अनया क्रीडया सह सम्बन्धो वर्तते -

- (1) हॉकी
- (2) फुटबॉल
- (3) क्रिकेट
- (4) बेडमिण्टन्

1[Option ID=16073]

2[Option ID=16074]

3[Option ID=16075]

4[Option ID=16076]

Sl. No.26

QBID:10543826

'पश्यैताम्' इत्यस्य सन्धि-विच्छेदः -

- (1) पश्य + ऐताम्
- (2) पश्यैत + आम्
- (3) पश्य + एताम्
- (4) पश्यै + ताम्

1[Option ID=16077]

2[Option ID=16078]

3[Option ID=16079]

4[Option ID=16080]

Sl. No.27

QBID:10543827

'प्यत्' प्रत्ययस्योदाहरणम् -

- (1) जेयम्
- (2) पेयम्
- (3) भोज्यम्
- (4) लभ्यम्

1[Option ID=16081]

2[Option ID=16082]

3[Option ID=16083]

4[Option ID=16084]

Sl. No.28

QBID:10543828

'भावयति' इत्यस्मिन् प्रत्ययो वर्तते -

- (1) णिच्
- (2) अज्
- (3) यत्
- (4) घञ्

1[Option ID=16085]

2[Option ID=16086]

3[Option ID=16087]

4[Option ID=16088]

Sl. No.29

QBID:10543829

ध्यायं ध्यायं इत्यत्र कृत्प्रत्ययः कः ?

- (1) णमुल्
- (2) अम्
- (3) तुमुन्

(4) ल्यप्

- 1[Option ID=16089]
2[Option ID=16090]
3[Option ID=16091]
4[Option ID=16092]

Sl. No.30

QBID:10543830

'लावणिकी' शब्दे प्रत्ययो वर्तते -

- (1) डीष्
(2) डीत्
(3) डीप्
(4) डीन्

- 1[Option ID=16097]
2[Option ID=16098]
3[Option ID=16099]
4[Option ID=16100]

Sl. No.31

QBID:10543831

अभिकथनम् A : 'श्रीमत्' शब्दः मतुप् प्रत्यययुक्तो भवति ।

कारणम् R : कृत्यप्रत्ययेषु 'मनुप्' प्रत्ययः न गण्यते ।

विकल्पेषु सर्वोपयुक्तं विकल्पं स्वीकुरुत । उपर्युक्तकथनं विलोक्य

- (1) A, R च द्वयमेव सत्यमस्ति, एवञ्च R, A इत्यस्य समीचीनां व्याख्यां करोति ।
(2) A, R च द्वयमेव सत्यमस्ति, एवञ्च R, A इत्यस्य समीचीनां व्याख्यां न करोति ।
(3) A समीचीनम्, परं R समीचीनं नास्ति ।
(4) A असमीचीनम् अस्ति, परं R समीचीनम् अस्ति ।

- 1[Option ID=16101]
2[Option ID=16102]
3[Option ID=16103]
4[Option ID=16104]

Sl. No.32

QBID:10543832

..... मधुरं रोचते ।

- (1) तस्मात्
(2) तम्
(3) तेन
(4) तस्मै

- 1[Option ID=16105]
2[Option ID=16106]
3[Option ID=16107]
4[Option ID=16108]

Sl. No.33

QBID:10543833

यथोचितं योजयत -

सूची I		सूची II	
A.	प्रातिपदिकार्थ	I.	द्वितीया
B.	सम्प्रदाने	II.	प्रथमा
C.	अपादाने	III.	चतुर्थी
D.	कर्मणि	IV.	पञ्चमी

समुचितं विकल्पं चिनोतु -

- (1) A-II, B-III, C-IV, D-I
- (2) A-III, B-II, C-I, D-IV
- (3) A-I, B-IV, C-III, D-II
- (4) A-IV, B-III, C-II, D-I

1[Option ID=16109]

2[Option ID=16110]

3[Option ID=16111]

4[Option ID=16112]

Sl. No.34

QBID:10543834

के द्वे वाक्ये अकर्मककर्तरिप्रयोगे वर्तते ? समुचितं विकल्पं चिनोतु ।

- (अ) सुतः पितरं वन्दते
- (ब) सूर्यः प्रकाशते
- (स) शिष्यः गुरुं संशयं पृच्छति
- (द) पुष्पं विकसति ।
- (1) अ एवं ब
 - (2) ब एवं स
 - (3) ब एवं द
 - (4) स एवं द

1[Option ID=16113]

2[Option ID=16114]

3[Option ID=16115]

4[Option ID=16116]

Sl. No.35

QBID:10543835

'नाना' योगे विभक्तिर्न भवति -

- (1) द्वितीया
- (2) तृतीया
- (3) पञ्चमी
- (4) षष्ठी

1[Option ID=16117]

2[Option ID=16118]

3[Option ID=16119]

4[Option ID=16120]

Sl. No.36

QBID:10543836

'सर्वस्मिन्नात्मास्ति' अत्र सप्तम्याः कीदृशः आधारः ।

- (1) औपश्लेषिकः
- (2) अभिव्यापकः
- (3) वैषयिकः
- (4) पूर्वोक्तासयः

1[Option ID=16121]
2[Option ID=16122]
3[Option ID=16123]
4[Option ID=16124]

Sl. No.37
QBID:10543837

स्वरक्रमो वर्तते -

- (1) अ, इ, उ, ऋ, लृ, ए, ओ
- (2) अ, इ, उ, ए, ओ, ऐ, औ
- (3) अ, इ, उ, ऋ, लृ, ए, ओ, ऐ, औ
- (4) अ, इ, उ, ऋ, ए, ओ, ऐ, औ

1[Option ID=16125]
2[Option ID=16126]
3[Option ID=16127]
4[Option ID=16128]

Sl. No.38
QBID:10543838

सन्नन्तप्रत्यययुक्तं पदम् -

- (1) पिपठिसति
- (2) पिपठिषति
- (3) पिपिठषति
- (4) पिपठषति

1[Option ID=16129]
2[Option ID=16130]
3[Option ID=16131]
4[Option ID=16132]

Sl. No.39
QBID:10543839

वाच्यपरिवर्तनं कुरुत - तेन संस्कृतं पठितुम् इष्यते ।

- (1) तेन संस्कृतः पठितुम् इच्छति ।
- (2) सः संस्कृतं पठितुम् इच्छति ।
- (3) सः संस्कृतः पठति इच्छति
- (4) तेन संस्कृतः पठितुम् इच्छति ।

1[Option ID=16133]
2[Option ID=16134]
3[Option ID=16135]
4[Option ID=16136]

Sl. No.40
QBID:10543840

कर्तृवाच्ये क्रिया भवति -

- (1) कर्मानुसारिणी
- (2) कर्तुः अनुसारिणी
- (3) कारकानुसारिणी
- (4) भावानुसारिणी

- 1[Option ID=16141]
2[Option ID=16142]
3[Option ID=16143]
4[Option ID=16144]

Sl. No.41

QBID:10543841

‘गर्गस्य पुत्रः’ एकपदे रूपम् ?

- (1) गर्गः
(2) गर्गा
(3) गर्ग्य
(4) गार्ग्यः

- 1[Option ID=16145]
2[Option ID=16146]
3[Option ID=16147]
4[Option ID=16148]

Sl. No.42

QBID:10543842

‘आभ्याम्’ इति पदं कस्य शब्दस्य रूपम् ?

- (1) अदस्
(2) युष्मद्
(3) अस्मद्
(4) इदम्

- 1[Option ID=16149]
2[Option ID=16150]
3[Option ID=16151]
4[Option ID=16152]

Sl. No.43

QBID:10543843

प्रथमसूच्या सह द्वितीयसूच्याः मेलनं कुरुत

सूची I		सूची II	
A.	अभवत्	I.	वद् धातोः लोटलकार- मध्यमपुरुष-बहुवचनम्
B.	वदत्	II.	गम् धातोः लटलकार- उत्तमपुरुष-बहुवचनम्
C.	गमिष्यामि	III.	पठ् धातोः विधिलिङ्गलकार- प्रथमपुरुष-द्विवचनम्
D.	पठेताम्	IV.	भूधातोः लङ्लकार- प्रथमपुरुष-एकवचनम्

अधोलिखितेषु विकल्पेषु समीचीनः वर्तते-

- (1) A-IV, B-I, C-II, D-III
(2) A-II, B-III, C-IV, D-I
(3) A-III, B-IV, C-II, D-I
(4) A-I, B-II, C-III, D-IV

- 1[Option ID=16153]
2[Option ID=16154]
3[Option ID=16155]
4[Option ID=16156]

Sl. No.44

QBID:10543844

‘क्षिप्रम्’ किमस्ति -

- (1) द्वितीयान्तपुल्लिङ्गशब्दः
- (2) द्वितीयान्तनपुंसकलिङ्गशब्दः
- (3) अव्ययः
- (4) द्वितीयान्तसीलिङ्गशब्दः

1[Option ID=16157]

2[Option ID=16158]

3[Option ID=16159]

4[Option ID=16160]

Sl. No.45

QBID:10543845

शङ्खमुरजम् - शुद्धं विग्रहवाक्यं किम् ?

- (1) शङ्खं च तत् मुरजं च
- (2) शङ्खः च मुरजः च
- (3) शङ्खश्चासौ मुरजश्च
- (4) शङ्खः च मुरजः च तयोः समाहारः

1[Option ID=16161]

2[Option ID=16162]

3[Option ID=16163]

4[Option ID=16164]

Sl. No.46

QBID:10543846

दुःखातीतः सुखापेतः - इत्यनयोः कीदृशः समासः ?

- (1) द्वितीया तृतीया-
- (2) द्वितीया पञ्चमी -
- (3) तृतीया चतुर्थी -
- (4) पञ्चमी केवलम्

1[Option ID=16165]

2[Option ID=16166]

3[Option ID=16167]

4[Option ID=16168]

Sl. No.47

QBID:10543847

कथनम् I : प्रायेणोत्तरपदप्रधानः तत्पुरुषसमासः भवति।

कथनम् II : अन्यपदप्रधानः बहुव्रीहिसमासः भवति ।

उपर्युक्तकथनद्वयम् अवलोक्य विकल्पेषु सर्वाधिकोपयुक्तम् उत्तरं चिनुत -

- (1) कथनं I, कथनं II च द्वयमेव समीचीनम् ।
- (2) कथनं I, कथनं II च द्वयमेव असमीचीनम् ।
- (3) कथनं I समीचीनम्, कथनं II च असमीचीनम् ।
- (4) कथनं I असमीचीनम्, कथनं II च समीचीनम् ।

1[Option ID=16169]

2[Option ID=16170]

3[Option ID=16171]

4[Option ID=16172]

Sl. No.48

QBID:10543848

‘पञ्चानां गवां’ समाहारो भवति -

- (1) पञ्चगुः
- (2) पञ्चगावः
- (3) पञ्चगवम्
- (4) पञ्चगवः

1[Option ID=16173]
 2[Option ID=16174]
 3[Option ID=16175]
 4[Option ID=16176]

Sl. No.49

QBID:10543849

'नीलोत्पलम्' इत्यत्र समासोऽस्ति -

- (1) द्वन्द्वः
- (2) बहुव्रीहिः
- (3) अव्ययीभावः
- (4) कर्मधारयः

1[Option ID=16177]
 2[Option ID=16178]
 3[Option ID=16179]
 4[Option ID=16180]

Sl. No.50

QBID:10543850

प्रथमसूच्या सह द्वितीयसूच्याः मेलनं कुरुत

सूची I		सूची II	
A.	कृष्णाश्रितः	I.	द्विगुः
B.	त्रिभुवनम्	II.	अव्ययीभावः
C.	चतुर्मुखः	III.	तत्पुरुषसमासः
D.	निर्मक्षिकम्	IV.	बहुव्रीहिः

अधोलिखितेषु विकल्पेषु समीचीनः विकल्पो वर्तते-

- (1) A-I, B-II, C-IV, D-III
- (2) A-III, B-I, C-IV, D-II
- (3) A-III, B-I, C-II, D-IV
- (4) A-I, B-II, C-III, D-IV

1[Option ID=16185]
 2[Option ID=16186]
 3[Option ID=16187]
 4[Option ID=16188]

Sl. No.51

QBID:10543851

प्रस्थानत्रयं किम् ?

- (1) धर्मार्थकामाः
- (2) संहिता ब्राह्मणम् उपनिषद्
- (3) उपनिषद् गीता ब्रह्मसूत्राणि
- (4) शिशुः कौमारः यौवनम्

1[Option ID=16189]
 2[Option ID=16190]
 3[Option ID=16191]
 4[Option ID=16192]

Sl. No.52

QBID:10543852

अस्मिन् वैदिकछन्दसि पञ्चपादाः भवन्ति -

- (1) बृहती
- (2) पङ्क्तिः
- (3) त्रिष्टुप्
- (4) जगती

1[Option ID=16193]

2[Option ID=16194]

3[Option ID=16195]

4[Option ID=16196]

Sl. No.53

QBID:10543853

अधः कथनद्वयं विद्यते ।

कथनम् I : अथर्ववेदस्य कश्चनापि आरण्यकग्रन्थो नास्ति ।

कथनम् II : छान्दोग्योपनिषद् सामवेदेन सम्बद्धा वर्तते ।

उपर्युक्तकथनानि अवलोक्य विकल्पेषु सर्वाधिकोपयुक्तम् उत्तरं चिनुत -

- (1) कथनं I, कथनं II च द्वयमेव समीचीनम् ।
- (2) कथनं I, कथनं II च द्वयमेव असमीचीनम् ।
- (3) कथनं I समीचीनम्, कथनं II च असमीचीनम् ।
- (4) कथनं I असमीचीनम्, कथनं II च समीचीनम् ।

1[Option ID=16197]

2[Option ID=16198]

3[Option ID=16199]

4[Option ID=16200]

Sl. No.54

QBID:10543854

'चरैवेति चरैवेति' वाक्यमिदम् अस्य ब्राह्मणस्य वर्तते -

- (1) ऐतरेयब्राह्मणस्य
- (2) तैत्तिरीयब्राह्मणस्य
- (3) शतपथब्राह्मणस्य
- (4) छान्दोग्यब्राह्मणस्य

1[Option ID=16201]

2[Option ID=16202]

3[Option ID=16203]

4[Option ID=16204]

Sl. No.55

QBID:10543855

'रसो वै सः' इति वाक्यं प्राप्यते -

- (1) ऋग्वेदे
- (2) यजुर्वेदे
- (3) सामवेदे
- (4) अथर्ववेदे

1[Option ID=16205]

2[Option ID=16206]

3[Option ID=16207]

4[Option ID=16208]

Sl. No.56

QBID:10543856

अधः द्वे कथने दत्ते

कथनम् I : भर्तृहरिप्रणीतानि त्रीणि शतकानि प्रसिद्धानि सन्ति ।

कथनम् II : तत्र भर्तृहरिप्रणीतं भावशतकम् अतीव लोकप्रियं विद्यते ।

उपर्युक्तकथनानि अवलोक्य विकल्पेषु सर्वाधिकोपयुक्तम् चिनुत -

- (1) कथनं I, कथनं II च द्वयमेव समीचीनम् ।
- (2) कथनं I, कथनं II च द्वयमेव असमीचीनम् ।
- (3) कथनं I समीचीनम्, कथनं II च असमीचीनम् ।
- (4) कथनं I असमीचीनम्, कथनं II च समीचीनम् ।

1[Option ID=16209]

2[Option ID=16210]

3[Option ID=16211]

4[Option ID=16212]

Sl. No.57

QBID:10543857

A. भामहः

B. भरतमुनिः

C. अभिनवगुप्तः

D. विश्वनाथः

अग्रिमेषु विकल्पेषु समीचीनः पूर्वापर विकल्पोऽस्ति -

- (1) A, B, D, C
- (2) B, A, C, D
- (3) A, B, C, D
- (4) A, C, B, D

1[Option ID=16213]

2[Option ID=16214]

3[Option ID=16215]

4[Option ID=16216]

Sl. No.58

QBID:10543858

'लघुरघु' काव्यस्य लेखको विद्यते -

- (1) आचार्य राधावल्लभ त्रिपाठी
- (2) आचार्य कलानाथ शास्त्री
- (3) आचार्य हरिदत्त त्रिपाठी
- (4) आचार्य मिथिलाप्रसाद त्रिपाठी

1[Option ID=16217]

2[Option ID=16218]

3[Option ID=16219]

4[Option ID=16220]

Sl. No.59

QBID:10543859

'वरं विरोधोऽपि समं महात्मभिः' सूक्तिरियं विद्यते -

- (1) विक्रमोर्वशीयस्य

- (2) शिशुपालवधस्य
(3) किरातार्जुनीयस्य
(4) नैषधीयचरितस्य

1[Option ID=16221]
2[Option ID=16222]
3[Option ID=16223]
4[Option ID=16224]

Sl. No.60

QBID:10543860

अभिकथनम् A : कादम्बरी काचित् नीतिशिक्षायाः अपि ग्रन्थः अस्ति ।

कारणम् R : कादम्बर्याः शुकनासोपदेशे नैतिकशिक्षायाः विषयः प्राप्यते ।

उपर्युक्ते कथने अवलोक्य, विकल्पेषु सर्वोपयुक्तः विकल्पो विद्यते -

- (1) A, R च द्वयमेव सत्यमस्ति, एवञ्च R, A इत्यस्य समीचीनां व्याख्यां करोति ।
(2) A, R च द्वयमेव सत्यमस्ति, एवञ्च R, A इत्यस्य समीचीनां व्याख्यां न करोति ।
(3) A समीचीनम्, परं R समीचीनं नास्ति ।
(4) A असमीचीनम् अस्ति, परं R समीचीनम् अस्ति ।

1[Option ID=16229]
2[Option ID=16230]
3[Option ID=16231]
4[Option ID=16232]

Sl. No.61

QBID:10543861

हितोपदेशे द्वे सुभाषिते कथिते स्तः । ते -

- (1) "न सा सभा यत्र न सन्ति वृद्धाः"
(2) "वृद्धो याति गृहीत्वा दण्डः"
(3) "वृद्धा न ते ये न वन्दति धर्मम्"
(4) "वृद्धस्य तरुणी विषम्"

समुचितं विकल्पं चिनोतु -

- (1) 1 एवं 2
(2) 1 एवं 3
(3) 1 एवं 4
(4) 2 एवं 4

1[Option ID=16233]
2[Option ID=16234]
3[Option ID=16235]
4[Option ID=16236]

Sl. No.62

QBID:10543862

नेदं महाकाव्यम् -

- (1) कुमारसम्भवम्
(2) ऋतुसंहारः
(3) शिशुपालवधम्
(4) नैषधीयचरितम्

- 1[Option ID=16237]
2[Option ID=16238]
3[Option ID=16239]
4[Option ID=16240]

Sl. No.63

QBID:10543863

'श्रीकण्ठपदलाञ्छनः' इति कस्य कवेः नाम ?

- (1) कालिदासस्य
(2) दण्डिनः
(3) माघस्य
(4) भवभूतेः

1[Option ID=16241]

2[Option ID=16242]

3[Option ID=16243]

4[Option ID=16244]

Sl. No.64

QBID:10543864

परस्परं योग्यं योजयत -

सूची I		सूची II	
A.	रामायणम्	I.	रामभक्तः
B.	गायत्रीमन्त्रः	II.	प्राचेतसः
C.	हनूमान्	III.	चतुर्विंशतिसाहस्री संहिता
D.	वाल्मीकिः	IV.	चतुर्विंशतिवर्णाः

समुचितं विकल्पं चिनोतु -

- (1) A-II, B-III, C-IV, D-I
(2) A-IV, B-II, C-I, D-III
(3) A-III, B-IV, C-I, D-II
(4) A-I, B-II, C-III, D-IV

1[Option ID=16245]

2[Option ID=16246]

3[Option ID=16247]

4[Option ID=16248]

Sl. No.65

QBID:10543865

'न मानुषात् श्रेष्ठतरं हि किञ्चित्' - पङ्क्तिरियं कुत्र वर्णितास्ति ?

- (1) वेदे
(2) रामायणे
(3) महाभारते
(4) शाकुन्तले

1[Option ID=16249]

2[Option ID=16250]

3[Option ID=16251]

4[Option ID=16252]

Sl. No.66

QBID:10543866

वेङ्कटाध्वरिमहाकवेः चम्पूः नास्ति -

- (1) विश्वगुणादर्शचम्पूः
(2) उत्तरचम्पूः

(3) नलचम्पू:

(4) वरदाभ्युदयचम्पू:

1[Option ID=16253]

2[Option ID=16254]

3[Option ID=16255]

4[Option ID=16256]

Sl. No.67

QBID:10543867

लसल्लतिका इत्यस्य रचनाकारः कः ?

(1) श्री राधावल्लभ त्रिपाठी

(2) हरिदत्त शर्मा

(3) अभिराजराजेन्द्र मिश्रः

(4) श्रीकृष्ण सेमवालः

1[Option ID=16257]

2[Option ID=16258]

3[Option ID=16259]

4[Option ID=16260]

Sl. No.68

QBID:10543868

"धर्म एव हतो हन्ति धर्मो रक्षति रक्षितः" इतीयमुक्तिः कुत्रोपलभ्यते ?

(1) भगवद्गीतायाम्

(2) धर्मसूत्रे

(3) मनुस्मृतौ

(4) याज्ञवल्क्यस्मृतौ

1[Option ID=16261]

2[Option ID=16262]

3[Option ID=16263]

4[Option ID=16264]

Sl. No.69

QBID:10543869

प्रदत्तेषु द्वे वैष्णवपुराणे स्तः -

(1) भागवतपुराणम्

(2) मार्कण्डेयपुराणम्

(3) वराहपुराणम्

(4) मत्स्यपुराणम्

1[Option ID=16265]

2[Option ID=16266]

3[Option ID=16267]

4[Option ID=16268]

Sl. No.70

QBID:10543870

"श्लोकार्धेन प्रवक्ष्यामि यदुक्तं ग्रन्थकोटिभिः ।

ब्रह्मसत्यं जगन्मिथ्या जीवो ब्रह्मैव नाऽपरः" ॥ इति उक्तम्

(1) श्रीरामानुजाचार्येण

(2) श्रीशङ्कराचार्येण

(3) श्रीमध्वाचार्येण

(4) श्रीवल्लभाचार्येण

1[Option ID=16273]

2[Option ID=16274]
3[Option ID=16275]
4[Option ID=16276]

Sl. No.71

QBID:10543871

वेदान्तसारानुसारेण अनुबन्धविषये अयं विकल्पः अनुचितः-

- (1) अधिकरणम्
- (2) विषयः
- (3) सम्बन्धः
- (4) प्रयोजनम्

1[Option ID=16277]

2[Option ID=16278]

3[Option ID=16279]

4[Option ID=16280]

Sl. No.72

QBID:10543872

विशिष्टद्वैतस्य प्रतिष्ठापकोऽस्ति-

- (1) शङ्कराचार्यः
- (2) मध्वाचार्यः
- (3) रामानुजाचार्यः
- (4) वल्लभाचार्यः

1[Option ID=16281]

2[Option ID=16282]

3[Option ID=16283]

4[Option ID=16284]

Sl. No.73

QBID:10543873

A. शंकराचार्यः

B. वल्लभाचार्यः

C. रामानुजाचार्यः

D. निम्बार्काचार्यः

E. मध्वाचार्यः

कालक्रमेण एतेषाम् आचार्याणां क्रमो वर्तते -

- (1) A, C, D, E, B
- (2) A, B, D, C, E
- (3) A, C, B, E, D
- (4) B, A, C, D, E

1[Option ID=16285]

2[Option ID=16286]

3[Option ID=16287]

4[Option ID=16288]

Sl. No.74

QBID:10543874

अभिकथनम् A : चार्वाकदर्शनस्य अनात्मवादः प्रसिद्धः सिद्धान्तो वर्तते ।

कारणम् R : चार्वाकदर्शने प्रत्यक्षमेव प्रमाणम् ।

उपर्युक्तानां कथनानामालोके, विकल्पेषु सर्वोपयुक्तः विकल्पो विद्यते -

- (1) A, R द्वयमेव सत्यमस्ति, एवञ्च R, A इत्यस्य समीचीनां व्याख्यां करोति ।
- (2) A, R च द्वयमेव सत्यमस्ति, एवञ्च R, A इत्यस्य समीचीनां व्याख्यां न करोति ।
- (3) A समीचीनम्, परं R समीचीनं नास्ति ।
- (4) A असमीचीनम् अस्ति, परं R असमीचीनम् अस्ति ।

1[Option ID=16289]

2[Option ID=16290]

3[Option ID=16291]

4[Option ID=16292]

Sl. No.75

QBID:10543875

A. विषयः

B. सम्बन्धः

C. प्रयोजनम्

D. अधिकारी

विकल्पानाम् उचितः क्रमो वर्तते -

- (1) D, B, A, C
- (2) A, B, D, C
- (3) D, A, B, C
- (4) B, A, C, D

1[Option ID=16293]

2[Option ID=16294]

3[Option ID=16295]

4[Option ID=16296]

Sl. No.76

QBID:10543876

कक्षायाम् अध्यापकस्य मित्रं भवति -

- (1) धनम्
- (2) श्यामफलकम्
- (3) छात्रः
- (4) पुस्तकम्

1[Option ID=16297]

2[Option ID=16298]

3[Option ID=16299]

4[Option ID=16300]

Sl. No.77

QBID:10543877

विद्यालयेषु कीदृशानाम् अध्यापकानां नियोजनम् आवश्यकम् ?

- (1) तत्तद् भाषाविदाम्
- (2) तत्तद् विषयाज्ञानाम्
- (3) समत्वभावकुशलानाम्
- (4) पूर्वोक्तानां सर्वेषाम्

1[Option ID=16301]
2[Option ID=16302]
3[Option ID=16303]
4[Option ID=16304]

Sl. No.78

QBID:10543878

स एव अध्यापकरूपेण मम प्रियः

- (1) यः धनवान्
- (2) यः स्वाध्यायी, छात्रमनोवेत्ता
- (3) मनोरञ्जनं यः करोति
- (4) यः द्यूशनं करोति

1[Option ID=16305]
2[Option ID=16306]
3[Option ID=16307]
4[Option ID=16308]

Sl. No.79

QBID:10543879

सुयोग्यशिक्षकः स वर्तते -

- (1) यः समयेन कक्षायां पाठं पाठयति ।
- (2) येन छात्राः भीताः भवन्ति ।
- (3) यो विद्यार्थिनां व्यवहारे वाञ्छितं परिवर्तनम् आनयति ।
- (4) यः सर्वदा सम्यगध्ययनं करोति ।

1[Option ID=16309]
2[Option ID=16310]
3[Option ID=16311]
4[Option ID=16312]

Sl. No.80

QBID:10543880

छात्रेषु सर्जनात्मकतां संवर्धयितुं शिक्षकेण किं करणीयम् ?

- (1) बहुभाषितुं प्रोत्साहनीयाः
- (2) सम्यक् स्वाध्यायः कारणीयः
- (3) सम्यक् कण्ठस्थीकार्याः
- (4) भावान् स्वैच्छया प्रकाशयितुं प्रेरणीयाः

1[Option ID=16317]
2[Option ID=16318]
3[Option ID=16319]
4[Option ID=16320]

Sl. No.81

QBID:10543881

शिक्षासंस्थासु शिक्षकैः इमे भावाः नैव सम्मान्याः -

- (1) स्वतन्त्रता समानता बन्धुत्वम् न्यायः
- (2) धर्मः ईश्वरः मोक्षः
- (3) क्षेत्रवादः जातिवर्गवादः
- (4) वसुधैवकुटुम्बकं सार्वभौमिकभ्रातृत्वम्

1[Option ID=16321]
2[Option ID=16322]
3[Option ID=16323]
4[Option ID=16324]

Sl. No.82

QBID:10543882

छात्रेषु नेतृत्वगुणविकासाय अनिवार्यम्-

- (1) प्रोत्साहनम्
- (2) दायित्ववितरणम्
- (3) उपदेशः
- (4) उपर्युक्तं सर्वम्

1[Option ID=16325]

2[Option ID=16326]

3[Option ID=16327]

4[Option ID=16328]

Sl. No.83

QBID:10543883

भारतस्य ज्ञानम् इत्यत्र अन्तर्भवति -

- (1) भारतस्य भौगोलिकं ज्ञानम् ।
- (2) भारतस्य राजनैतिकं शैक्षिकं पारिस्थितिकीयं ज्ञानम् ।
- (3) प्राचीन भारतीय ज्ञानस्य आधुनिकतायै अवदानं भविष्य भारताकाङ्क्षाश्च ।
- (4) विविधदेशैस्सह भारतसम्बन्धज्ञानम् ।

1[Option ID=16329]

2[Option ID=16330]

3[Option ID=16331]

4[Option ID=16332]

Sl. No.84

QBID:10543884

बौद्धकालस्य प्रसिद्धः विश्वविद्यालयः आसीत् -

- (1) राँची
- (2) नालन्दा
- (3) पाटलीपुत्रम्
- (4) कलिङ्गः

1[Option ID=16333]

2[Option ID=16334]

3[Option ID=16335]

4[Option ID=16336]

Sl. No.85

QBID:10543885

शिक्षायाः 'वर्धा' योजनायां स्मरणीयः -

- (1) रवीन्द्रनाथः
- (2) महात्मा गांधी
- (3) श्री अरविन्दः
- (4) विवेकानन्दः

1[Option ID=16337]

2[Option ID=16338]

3[Option ID=16339]

4[Option ID=16340]

Sl. No.86

QBID:10543886

आकलनकारणात् न भवति -

- (1) छात्राणाम् उत्तम - सामान्य - अधमादिवर्गीकरणम् ।
- (2) शिक्षण व्यूहरचनायां परिवर्तनम् ।
- (3) छात्राणां भिन्नतानुसारं तेभ्यः गृहकार्यं प्रदानम् ।

(4) व्यक्तित्वताथ्ययनम् ।

- 1[Option ID=16341]
2[Option ID=16342]
3[Option ID=16343]
4[Option ID=16344]

Sl. No.87

QBID:10543887

ओष्ठपठनम्, चिह्नभाषा, साङ्केतिकभाषा, स्पर्शविधिः इत्येवं सम्प्रेषणप्रविधयः केषां कृते भवेयुः ?

- (1) दृष्टिबाधितानाम्
(2) श्रवणबाधितानाम्
(3) त्वचाबाधितानाम्
(4) घ्राणबाधितानाम्

- 1[Option ID=16345]
2[Option ID=16346]
3[Option ID=16347]
4[Option ID=16348]

Sl. No.88

QBID:10543888

सर्वशिक्षाऽभियानस्य मुख्यमुद्देश्यमस्ति -

- (1) अष्टमीकक्षापर्यन्तं गुणात्मक शिक्षा प्रदानम्
(2) स्नातक शिक्षा प्रदानम्
(3) स्नातकोत्तर शिक्षा प्रदानम्
(4) केवलम् उच्च शिक्षा प्रदानम्

- 1[Option ID=16349]
2[Option ID=16350]
3[Option ID=16351]
4[Option ID=16352]

Sl. No.89

QBID:10543889

दिव्याङ्गबालकानां शिक्षायाः नीतिनिर्धारणम् करोति -

- (1) NCERT
(2) RCI
(3) NCTE
(4) NIEPA

- 1[Option ID=16353]
2[Option ID=16354]
3[Option ID=16355]
4[Option ID=16356]

Sl. No.90

QBID:10543890

अधिकांशछात्राणां विद्यालयपरित्यागे कारणं भवति -

- (1) उद्योगप्राप्तिचिन्ता
(2) निर्धनता
(3) अध्यापकछात्राणां सम्बन्धाभावः
(4) अनुपयुक्तः पाठ्यक्रमः

- 1[Option ID=16361]
2[Option ID=16362]
3[Option ID=16363]
4[Option ID=16364]

Sl. No.91

QBID:10543891

कश्चन शिक्षकः कक्षायां निदानात्मक क्रियाः करोति, यासां मुख्योद्देश्यं भवति -

- (1) छात्राणां व्यक्तिगतविभिन्नतानां ज्ञानम् ।
- (2) छात्राणां पाठ्यवस्तुनः विश्लेषणं, पुनः व्यवस्थीकरणञ्च ।
- (3) छात्राणां मूल्याङ्कनम् ।
- (4) छात्रेषु व्यवहारपरिवर्तनम् ।

1[Option ID=16365]

2[Option ID=16366]

3[Option ID=16367]

4[Option ID=16368]

Sl. No.92

QBID:10543892

सूचीं मेलयत

सूची I	सूची II
A. श्रव्योपकरणम्	I. दूरदर्शनम्
B. दृश्योपकरणम्	II. श्यामपट्टः
C. श्रव्य-दृश्योपकरणम्	III. प्रतिमानम्
	IV. दूरवाणी
	V. अन्तर्जालम्

अधोलिखितेषु विकल्पेषु समीचीनः वर्तते -

- (1) A-IV, B-II, C-V
- (2) A-IV, B-III, C-V
- (3) A-III, B-II, C-I
- (4) A-IV, B-II, C-I

1[Option ID=16369]

2[Option ID=16370]

3[Option ID=16371]

4[Option ID=16372]

Sl. No.93

QBID:10543893

विद्यालयस्तरीय पाठ्यक्रमनिर्माणे मार्गदर्शनं करोति

- (1) राजनीतिः
- (2) शिक्षानीतिः
- (3) शिक्षकः
- (4) अभिभावकः शिक्षार्थी च

1[Option ID=16373]

2[Option ID=16374]

3[Option ID=16375]

4[Option ID=16376]

Sl. No.94

QBID:10543894

मनोविज्ञानदृष्ट्या शिक्षा -

- (1) विषयकेन्द्रिता स्यात्
- (2) छात्रकेन्द्रिता स्यात्
- (3) शिक्षककेन्द्रिता स्यात्
- (4) प्रशासनकेन्द्रिता स्यात्

1[Option ID=16377]
2[Option ID=16378]
3[Option ID=16379]
4[Option ID=16380]

Sl. No.95

QBID:10543895

A. शिक्षा अविरलप्रक्रिया अस्ति ।

B. शिक्षा सोद्देश्यप्रक्रिया अस्ति ।

C. शिक्षा नियतप्रक्रिया अस्ति ।

D. शिक्षा विकासात्मिका प्रक्रिया अस्ति ।

अधोलिखितेषु विकल्पेषु समीचीनः विकल्पो वर्तते -

(1) केवलं A, B, C, D कथनानि समीचीनानि सन्ति ।

(2) केवलं A, B, D कथनानि समीचीनानि सन्ति ।

(3) केवलं A, B, C कथनानि समीचीनानि सन्ति ।

(4) केवलं A, C, D कथनानि समीचीनानि सन्ति ।

1[Option ID=16381]
2[Option ID=16382]
3[Option ID=16383]
4[Option ID=16384]

Sl. No.96

QBID:10543896

समर्थसेवाभिः सह अशक्तबालानां सामान्यशिक्षणव्यवस्थायां स्वीकारात्मकानुकूलनं हि-

(1) सामान्यशिक्षा

(2) विशिष्टा शिक्षा

(3) समन्वितशिक्षा

(4) समावेशात्मिका शिक्षा

1[Option ID=16385]
2[Option ID=16386]
3[Option ID=16387]
4[Option ID=16388]

Sl. No.97

QBID:10543897

कश्चन छात्रः समकक्षछात्राणां समूहे आक्रामकव्यवहारं प्रदर्शयति, तथा च सः विद्यालयस्य नियमानां पालनं न करोति । एतादृशस्य छात्रस्य साहाय्यम् अपेक्ष्यते -

(1) संज्ञानात्मकक्षेत्रे

(2) भावात्मकक्षेत्रे

(3) क्रियात्मकक्षेत्रे

(4) प्रयोगात्मकक्षेत्रे

1[Option ID=16389]
2[Option ID=16390]
3[Option ID=16391]
4[Option ID=16392]

Sl. No.98

QBID:10543898

बालकेन्द्रितशिक्षायाः सिद्धान्तः नास्ति -

(1) विभाजनस्य सिद्धान्तः

(2) अनिश्चितोद्देश्यानां चयनसिद्धान्तः

(3) रुचिसिद्धान्तः

(4) क्रियाशीलतासिद्धान्तः

1[Option ID=16393]

2[Option ID=16394]

3[Option ID=16395]

4[Option ID=16396]

Sl. No.99

QBID:10543899

मानवजीवनं प्रारभते -

(1) अग्नेन

(2) धनेन

(3) संस्कारेण

(4) शिक्षया

अत्र समुचितं विकल्पं चिनोतु -

(1) 1 एवं 4

(2) 1 एवं 3

(3) 2 एवं 3

(4) 3 एवं 4

1[Option ID=16397]

2[Option ID=16398]

3[Option ID=16399]

4[Option ID=16400]

Sl. No.100

QBID:105438100

उत्तममानसिकस्वास्थ्यस्य लक्षणम् अस्ति -

(1) सांवेगिकापरिपक्वता, अनियमितदिनचर्या, आत्मविश्वासः

(2) सहनशीलता, आत्मविश्वासः, स्पष्टजीवनलक्ष्यम्

(3) नियमितदिनचर्या, कार्यासन्तुष्टिः, निर्णयक्षमता

(4) कार्यासन्तुष्टिः, सहनशीलता, समायोजनम्

1[Option ID=16009]

2[Option ID=16010]

3[Option ID=16011]

4[Option ID=16012]